11/10/2023

→ विषय परिचय और विश्व मानचित्र का परिचय दिया सर ने

⇒ Geography – Geo + Graphaia (यूनानी शब्द
↓ ↓
पृथ्वी लिखना / वर्णन करना

## परिमंडल

- स्थलमंडल
  - ठोस
  - चट्टानी
  - 29%
- वायुमंडल
  - गैस
  - मिश्रण
  - चक्रवात
- जलमंडल

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उपयुक्त जल, वायु, स्थल मंडल

⇓

जीवन की संभावना – जैवमंडल

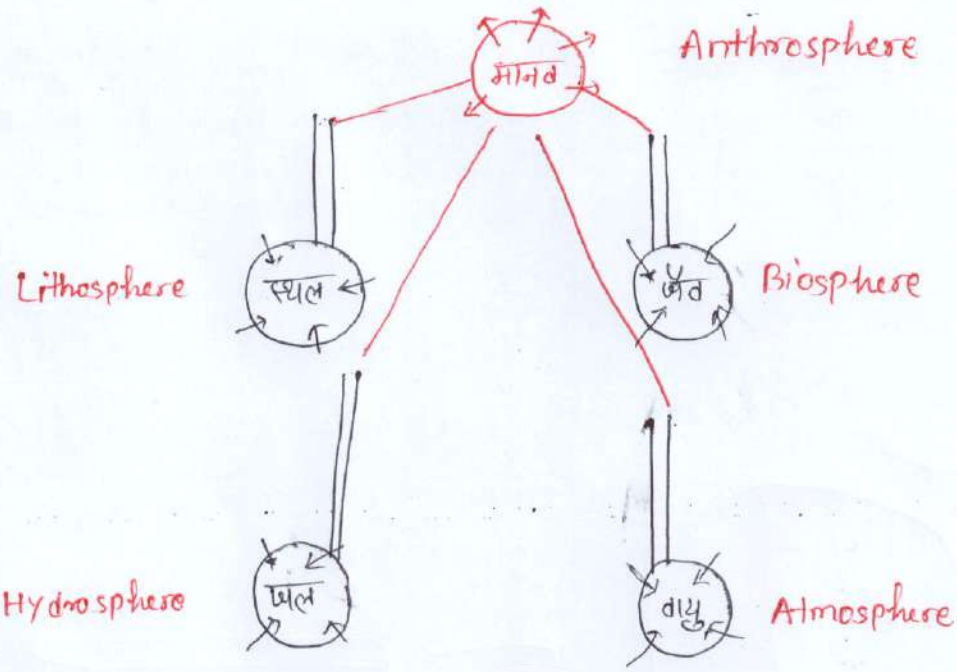


→ जहां एक तरफ चारों स्तंभ अर्थात जलमंडल, स्थलमंडल, वायुमंडल और जैवमंडल सिकुड़ या प्रदूषित हो रहे हैं, वही मानवमंडल लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

→ इन चारों परिमंडलों में असंतुलन हो रहा है। भूगोल इस असंतुलन को देखता है और इसको संतुलित करने के कदम भी बताता है।

## जियोसेन्ट्रिक थ्योरी / पृथ्वी केन्द्रित सिद्धांत

→ इसके अनुसार पृथ्वी केन्द्र में है, और सूर्य इसके चक्कर लगाता है।

→ चंद्रमा भी पृथ्वी के चक्कर लगाता है।

→ सारे ग्रह और तारे भी इसके चक्कर लगाते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

## हेलियोसेन्ट्रिक थ्योरी / सूर्य केन्द्रित सिद्धांत -

→ इस सिद्धांत में सूर्य को पूरे ब्रह्मांड के केन्द्र में माना जाता था।

### महत्वपूर्ण तथ्य

→ विषुवत - रेखीय व्यास - 12757 km.

→ ध्रुवीय व्यास - 12714 km.

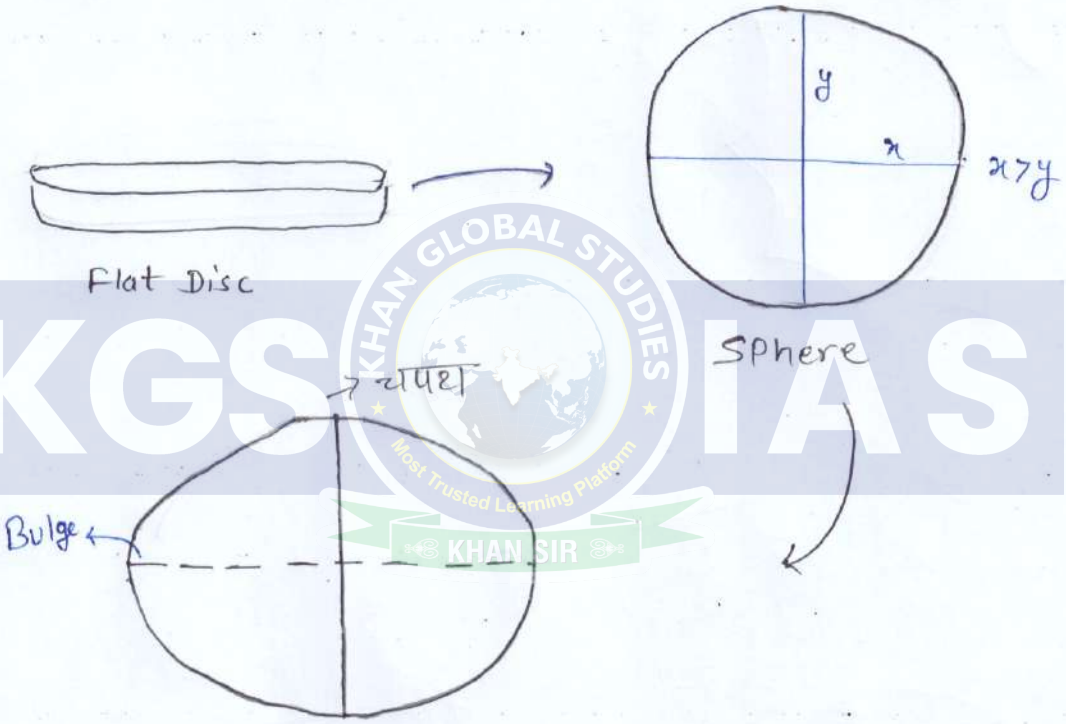


Geoid (जियोइड)
(Oblate Ellipsoid)

→ पृथ्वी का आकार चपटा दीर्घवृत्त है। पृथ्वी के ध्रुवों पर चपटे आकार के लिए पृथ्वी के अक्षकेन्द्रीय बल को उत्तरदायी माना जाता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ पृथ्वी के अक्ष पर घूर्णन - 23 घण्टे 56 मिनट 4.1 सेकण्ड

→ पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा अवधि - 365 दिन 5 घंटे 48 मिनट 45.51 सेकंड

## पृथ्वी ध्रुवों पर चपटी क्यों है?

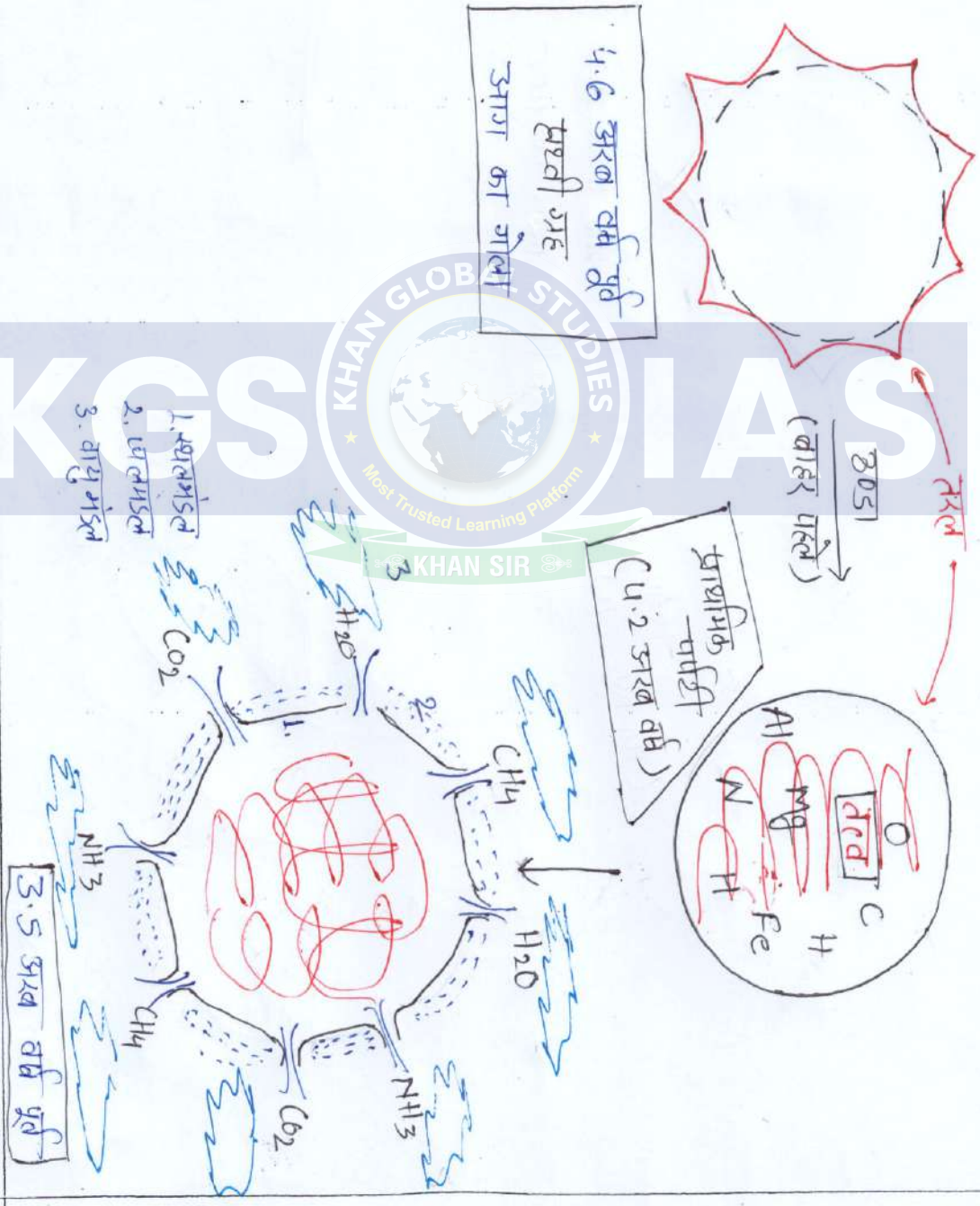


KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

→ पृथ्वी 4.6 अरब वर्ष पूर्व आग के गोले के रूप में थी।

→ ऊपर की पतली परत ठोस हुई, लेकिन अंदर के तत्व तरल अवस्था में ही रहे।

→ पृथ्वी के घूर्णन के कारण अपकेन्द्रीय बल प्रभावी हुआ, जिस कारण पृथ्वी ध्रुवों पर चपटी और विषुवत रेखा पर उभार के साथ अपने वर्तमान स्वरूप में आई।

## पृथ्वी की गतियाँ -

अक्ष - ग्रह के उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव को मिलाने वाली काल्पनिक सीधी रेखा।

घूर्णन - (Rotation)

→ अपने अक्ष पर घूमने की प्रक्रिया।

→ पृथ्वी अपने अक्ष पर पश्चिम से पूर्व की ओर 1610 किमी / घंटा की रफ्तार से घूम रही है।

→ एक चक्कर लगाने में समय - 23 घंटे 56 मिनट 4.09 सेकण्ड

→ इसे दैनिक गति कहते हैं।

परिभ्रमण (Revolution)

→ पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक अण्डाकार मार्ग पर लगभग 365 दिन और 6 घंटे में करीब 1 लाख किमी / घंटा की गति से पूरा चक्कर

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN Sir

लगाती है।

विशेष.

→ पृथ्वी का अक्ष सीधा नहीं है, बल्कि यह झुका हुआ है। इसका कक्षा तल से झुकाव 66.5 अंश है।

→ ग्रहों के अक्षों के झुकाव का कारण उनका आपस में कई बार टकराव है। सौर मंडल की उत्पत्ति के समय ये सीधे ही थे, परन्तु आपस मे टकराने की वजह से इनमें झुकाव आ गया।

स्थलमंडल - 29% - स्थलीय / महाद्वीपीय

स्थलीय स्थलमंडल - महाद्वीप + द्वीप (छोटे भूखंड)

जलीय स्थलमंडल (जलाच्छादित) - महासागर + सागर / खाड़ी इत्यादि (छोटे जलाशय)

महाद्वीप :- भूमि के बड़े खंड जो चारों ओर से जल से घिरे हैं।

द्वीप :- भूमि के छोटे खंड जो चारों ओर से जल से घिरे हैं।

7 महाद्वीप हैं -

एशिया > अफ्रीका > उत्तर अमेरिका > दक्षिण अमेरिका > आस्ट्रेलिया < यूरोप < अंटार्कटिका

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

जनसंख्या -

एशिया > अफ्रीका > यूरोप > अमेरिका

द्वीप

ग्रीनलैंड > न्यू गिनी > बोर्नियो > मैडागास्कर

महासागर - पांच

→ प्रशांत - सबसे बड़ा और सबसे गहरा
- इसमें मैरियाना गर्त पाई जाती है

→ अटलांटिक महासागर

→ हिन्द महासागर

→ दक्षिणी सागर (60° दक्षिण अक्षांश के नीचे)

→ आर्कटिक महासागर

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

अक्षांश और देशांतर -